



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 173 ]  
No. 173]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 3, 1999/चैत्र 13, 1921  
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 3, 1999/CHAITRA 13, 1921

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1999

का.आ. 225(अ).— यतः, नेशनल लिब्रेशन फन्ट ऑफ त्रिपुरा ॥अब से इन्हें एन०एस्ट०एफ०टी० के रूप में जाना जाएगा का स्पष्ट लक्ष्य अन्य सशस्त्र अलगाववादी संगठनों के सहयोग और सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से त्रिपुरा को भारत से अलग करके स्वतंत्र "बोरोक्लैण्ड ऐप्परा" को स्थापना करना तथा अलगाव के लिए त्रिपुरा के स्थानीय लोगों को भइकाना है, जिससे त्रिपुरा को भारत से अलग किया जा सके ।

और यतः केन्द्र सरकार का मत है कि एन०एस्ट०एफ०टी०:-

॥।॥ अपने लक्ष्य के अनुसरण में विद्रोही तथा हिंसक गतिविधियों में लिप्त है एवं इस प्रकार उसने सरकार के प्राधिकार को क्षति पहुंचाई है तथा लोगों में डर व आतंक फैलाया है,

॥॥॥ नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागलौण्ठ ॥एन०एस्ट०सी०एन० ॥आई०/एम०॥ के इसके स्वूर्ग जैसे अन्य विधि विस्त्र संगमों के साथ संरक्ष बनाए है जिसका लक्ष्य उनका समर्थन हासिल करना है ।

|||iii|| भाल के फिल्से कुछ समय में अपने उद्देश्य परं लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कई हिंसक, तथा विधि विस्तर गतिविधियों में सिप्त रही है जो कि भारत की प्रभुसत्ता तथा पक्ता के लिए हानिकर है ।

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह भी मत है कि हिंसक परं विधि विस्तर गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल है:

॥क॥ नागरिकों तथा पुलिस परं सुरक्षा बलों के कार्यकों की हत्या,

॥ख॥ त्रिपुरा में व्यवसायियों परं व्यापारियों सांहत जनता से जबरन धन छेड़ना,

॥ग॥ असमाजिक परं अवैध माध्यमों से भारी मात्रा में परिष्कृत शस्त्र व गोलाबारूद जुटाना तथा उन्हें गुप्त रूप से पड़ोसी देश के माध्यम से भारत में लाना,

॥घ॥ सुरक्षित आश्रय, प्रशिक्षण, शस्त्र व गोलाबारूद आदि जुटाने के प्रयोजन के लिए पड़ोसीदेश में शिविर स्थापित करना तथा उन्हें बनाए रखना,

॥ड.॥ त्रिपुरा में जनजातीय परं गैर जनजातीय समुदायों के बीच साम्प्रदायिक संघर्ष उत्पन्न करने परं उनमें वृद्धि करने के लिए अन्य त्रिपुरा जनजातीय संगठनों के साथ संबंध स्थापित करना और उन्हें बनाए रखना ।

और यतः केन्द्र सरकार का मत है कि एन०एस०एफ०टी० की उपरोक्त गतिविधियां भारत की प्रभुसत्ता परं अखण्डता विरोधी हैं तथा यह एक विधि विस्तर संगम है,

अतः अब विधि विस्तर कियाकलाप इनवारण० अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपर्यारा ॥1॥ के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार फ्लॅटर नेशनल लिबरेशन फ्न्ट ऑफ त्रिपुरा (एन०एस०एफ०टी०) को एक विधि विस्तर संगम घोषित करता है ।

और यतः केन्द्र सरकार का यह भी यत है कि यदि इस पर तत्काल नियंत्रण न किया गया तो एन०फ्ल०एफ्ल०टी० को अवसर मिलेगा कि वह:-

- ॥i॥ अपने कॉडर की अलगाववादी, विद्रोही, आतंकवादी/हिंसक गतिविधियाँ बढ़ाएगी,
- ॥ii॥ गृह मंत्रालय भारत की प्रमुखतम् शृङ् शक्तीय असाधता के विस्व शक्तियों के साथ सहयोग करके राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का प्रबार करेगी,
- ॥iii॥ नागरिकों तथा पुरुष व सुरक्षा बलों के कार्यकों की हत्याओं में वृद्ध में लिप्त हो जाएगी,
- ॥iv/॥ अन्सराच्छ्रीय सीमा पर से और अधिक गैर कानूनी हथियार एवं गोलाबाहु ग्राह करने तथा जुटाने में लिप्त हो जाएगी,
- ॥v॥ गतिविधियों के लिए जनता से बड़ी राशि ढक्टूठा करने तथा जबरन धन छेड़ने में लिप्त हो जाएगी ।

और यतः उपरोक्त पोरेश्वितियों के पीरेश्वर में केन्द्र सरकार की पोकी राय है कि एन०फ्ल०एफ्ल०टी० को तत्काल प्रभाव से एक विधि विस्व संगम घोषित करना आवश्यक है, और तदनुसार उक्त सण्ठ-३ की उपरामा-३ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार पक्षवारा निवेश वेती है कि उक्त अधिनियम की धारा-४ के अंतर्गत किए जाने वाले किसी भी अध्यादेश के अध्यधीन, वह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तिथि से प्रदृश्ट होगी ।

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd April, 1999

**S.O. 225E.**—Whereas the National Liberation Front of Tripura (hereinafter referred to as NLFT) has its professed aim to establish an independent “Borokland Twipra” by liberation of Tripura from India through armed struggle in alliance with other armed secessionist organisations of Tripura and incite indigenous people of Tripura, for secession and thereby the secession of Tripura from India;

And whereas the Central Government is of the opinion that NLFT has-

- (i) been engaging in subversive and violent activities, thereby undermining the authority of the Government and spreading terror and violence among the people for achieving its objective;
- (ii) established linkages with other unlawful associations, viz., the Isak Swu faction of National Socialist Council of Nagaland [NSCN(I/M)] with the aim of mobilising their support;
- (iii) in pursuance of its aim and objective in the recent past, engaged in several violent and unlawful activities which are prejudicial to the sovereignty and integrity of India;

And whereas the Central Government is also of the opinion that violent and unlawful activities include—

- (a) killing of civilians and personnel belonging to the Police and Security Forces;
- (b) extortion of funds from the public including businessmen and traders in Tripura;
- (c) procuring large number of arms and ammunition, including sophisticated ones, through clandestine/illegal channels and inducting them secretly into Tripura through a neighbouring country;
- (d) establishing and maintaining camps in a neighbouring country for the purpose of safe sanctuary, training procurement of arms and ammunition, etc.,
- (e) establishing and maintaining linkages with other Tripura tribal extremist groups for causing and fomenting communal clashes between the tribal and non-tribal communities in Tripura;

And whereas the Central Government is of the opinion that the aforesaid activities of the NLFT are detrimental to the sovereignty and integrity of India and that it is an unlawful association;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the National Liberation Front of Tripura (NLFT) as an unlawful association;

And whereas the Central Government is also of the opinion that if there is no immediate curb and control, the NLFT will take the opportunity to—

- (i) mobilise its cadres for escalating its secessionist, subversive and terrorist/violent activities;
- (ii) propagate anti-national activities in collusion with forces inimical to India's sovereignty and national integrity;
- (iii) indulge in increased killings of civilians and targetting of Police and Security Forces personnel;
- (iv) procure and induct more illegal arms and ammunition from across the international border;
- (v) extort and collect huge funds from the public for its activities.

And whereas the Central Government, having regard to the above circumstances, is of the firm opinion that it is necessary to declare the NLFT as an unlawful association with immediate effect; and accordingly in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of the said section 3, the Central Government hereby directs that the notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 9/26/98-NE-I]

G. K. PILLAI, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1999

का.आ. 226(अ).—यतः आल त्रिपुरा टाइगर फोर्स बूंगिसे इसके पश्चात् २०८००८००५० कहा गया है। या स्पष्ट तथ्य पूर्णतार क्षेत्र के अन्य राज्यों अलगावारी संगठनों के सहयोग से, त्रिपुरा, असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैण्ड, मेघालय तथा असामाचल प्रदेश को शामिल करके सात प्रदेशों के एक पृथक राष्ट्र की रूपाना करना, जिससे उन्नत राज्य भारत से अलग हो सकें तथा इन राज्यों को भारत संघ से अलग करने के लिए सशस्त्र संघर्ष को जारी रखना है और इस प्रकार इन राज्यों को भारत से अलग करना है।

और यतः केन्द्र सरकार का मत है कि प०टी०टी०एफ०:-

i.ii. अपने लक्ष्य के अनुसरण में विद्रोही तथा हिंसक गतिविधियों में लिप्त है एवं इस प्रकार उसमें सरकार के प्रतिकार गो शांति पहुँचाई है तथा लोगों में डर व आतंक फैलाया है,

iii. यूनाइटेड लिवरेशन फंट ऑफ असम ४उल्फ० और मणिपुर के मैतीयी उग्रवादी गुटों जैसे अन्य विधि विस्त्र संगमों के साथ संरक्ष बनाए हैं जिससे तथा उनके समर्थन होसिल करना है ।

iv. हाल के पिछले कुछ समय में अपने उद्देश्य एवं लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कई हिंसक तथा विधि विस्त्र गतिविधियों में लिप्त रही है जो कि भारत की प्रभुसत्ता तथा एकता के लिए हानिकर है ।

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह भी मत है कि हिंसक एवं विधि विस्त्र गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

#### गृह मंत्रालय

- [क] नागरिकों तथा पुलिस एवं सुरक्षा बलों के कार्रिकों की हत्या,
- [ख] त्रिपुरा में व्यवसायियों एवं व्यापारियों, सहित जनता से जयरन धन फैलाना,
- [ग] गुप्त एवं अवैध माल्यमों से भारी मात्रा में अत्याधुनिक शस्त्र व गोलाबारूद प्राप्त करना तथा उन्हें गुप्त रूप से पड़ोसी देश के माल्यम से त्रिपुरा में साना,
- [घ] सुरक्षित आश्रय, प्रशिक्षण, शस्त्र व गोलाबारूद आदि जुठाने के प्रयोजन के लिए पड़ोसीदेश में शिविर स्थापित करना सथा उन्हें बनाए रखना,
- [ङ.] त्रिपुरा में जनजातीय एवं गैर जनजातीय समुदायों के बीच सम्प्रवायिक संघर्ष उत्पन्न करने एवं उनमें बूढ़ि करने के लिए अन्य त्रिपुरा जनजातीय संगठनों के साथ संबंध स्थापित करना और उन्हें बनाए रखना ।

और यह : केन्द्र सरकार का मत है कि ४०टी०टी०पक्षो की उपरोक्त गतिविधियां भारत की प्रमुखता एवं अवण्डता विरोधी हैं तथा यह एक विधि विस्त्र संगम है,

अतः अब विधि विस्त्र क्रियाकलाप [निवारण] अधिनियम, 1967 [1967 का 37] की धारा ३ की उपाधारा ११ के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार फ्लावरा ४०टी०टी०पक्षो को एक विधि विस्त्र संगम घोषित करती है।

और यह : केन्द्र सरकार का यह भी मत है कि यदि इस पर तत्काल नियंत्रण न किया गया तो ४०टी०टी०पक्षो को अवसर मिलेगा कि वह:-

||(i) अपने कॉडर की अलगाववादी, विद्रोही, आतंकवादी/हिंसक गतिविधियां लिप्त हों,

गृह मंत्रालय

||(ii) भारत की प्रमुखता एवं राष्ट्रीय अवण्डता के विस्त्र शक्तियों के राष्ट्र सहयोग करके राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का प्रबाहर करेगी,

||(iii) नागरिकों तथा पुलिस व सुरक्षा बलों के कार्यकों की हत्याओं में थृदि में लिप्त हो जाएगी,

||(iv) अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर से और अधिक गैर कानूनी हथियार एवं गोलायास्व प्राप्त करने तथा जुटाने में लिप्त हो जाएगी,

||(v) गतिविधियों के लिये जनता से बड़ी राशि खट्ठा करने तथा जबरन घन घेने में लिप्त हो जाएगी ।

और यह : उपरोक्त परिस्थितियों के परिषेष्य में केन्द्र सरकार की एकी राय है कि ४०टी०टी०पक्षो की तत्काल प्रभाव से एक विधि विस्त्र संगम घोषित करना आवश्यक है, और तदनुसार उक्त खण्ड-३ की उपाधारा-३ द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार फ्लावरा निवेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा-४ के अंतर्गत किए जाने वाले किसी भी अध्यादेश के अध्यधीन, यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 9/26/98-एन. ई-1]

जी के पिल्ले, संयक्त सचिव

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd April, 1999

S.O. 226(E).— Whereas the All Tripura Tiger Force (hereinafter referred to as ATTF) has its professed aim, the formation of a separate Nation of seven sisters comprising Tripura, Assam, Manipur, Mizoram, Nagaland, Meghalaya and Arunachal Pradesh resulting in bringing about the secession of the said States from India, in alliance with other armed secessionist organisations of the North East region and to carry on armed struggle for separation of these States from India and thereby secession of these States from India:

And whereas the Central Government is of the opinion that ATTF has-

- (i) been engaging in subversive and violent activities, thereby undermining the authority of the Government and spreading terror and violence among the people for achieving its objective;
- (ii) established linkages with other unlawful associations, viz., the United Liberation Front of Assam (ULFA) and the Meitei extremist outfits of Manipur with the aim of mobilising their support;
- (iii) in pursuance of its aim and objective in the recent past, engaged in several violent and unlawful activities which are prejudicial to the sovereignty and integrity of India;

And whereas the Central Government is also of the opinion that violent and unlawful activities include—

- (a) killing of civilians and personnel belonging to the Police and Security Forces;
- (b) extortion of funds from the public including businessmen and traders in Tripura;
- (c) procuring large number of arms and ammunition, including sophisticated ones, through clandestine/illegal channels and inducting them secretly into Tripura through a neighbouring country;
- (d) establishing and maintaining camps in a neighbouring country for the purpose of safe sanctuary, training, procurement of arms and ammunition, etc..
- (e) establishing and maintaining linkages with other Tripura tribal extremist groups for causing and fomenting communal clashes between the tribal and non-tribal communities in Tripura;

And whereas the Central Government is of the opinion that the aforesaid activities of the ATTF are detrimental to the sovereignty and integrity of India and that it is an unlawful association;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the National Liberation Front of Tripura (ATTF) as an unlawful association;

And whereas the Central Government is also of the opinion that if there is no immediate curb and control, the ATTF will take the opportunity to—

- (i) mobilise its cadres for escalating its secessionist, subversive and terrorist/violent activities;
- (ii) propagate anti-national activities in collusion with forces inimical to India's sovereignty and national integrity;
- (iii) indulge in increased killings of civilians and targetting of Police and Security Forces personnel;
- (iv) procure and induct more illegal arms and ammunition from across the international border;
- (v) extort and collect huge funds from the public for its activities.

And whereas the Central Government, having regard to the above circumstances, is of the firm opinion that it is necessary to declare the ATTF as an unlawful association with immediate effect; and accordingly in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of the said section 3, the Central Government hereby directs that the notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 9/26/98-NE-I]

G. K. PILLAI, Jt. Secy.

